सचिन तेंदुलकर या एमएस धोनी नहीं, विराट कोहली हैं यह मुकाम हासिल करने वाले पहले क्रिकेटर

नई दिल्ली= एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत में फैंस अपने पसंदीदा क्रिकेट खिलाड़ी को भगवान की तरह पूजते हैं. जहां टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के फैंस समय साबित करते रहते हैं कि फैन फॉलोइंग में उनका कोई सानी नहीं है, तो वहीं कई फैंस लोगों को याद दिलाने में कसर नहीं छोड़ते कि क्रिकेट के भगवान तो आज भी सचिन तेंदुलकर ही हैं. लेकिन इसी बीच टीम इंडिया के वर्तमान कप्तान विराट कोहली ने एक नया मुकाम हासिल किया है. हकीकत में यह मुकाम विराट को उनके फैंस ने दिलाया है. विराट पहले ऐसे क्रिकेटर बन गए हैं जिनके सोशल मीडिया पर 100 मिलियन (दस करोड़) से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं.

बहुत समय से पहले से आगे चल रहे हैं विराट

विराट ने यह मुकाम अचानक ही नहीं हासिल किया है. वे काफी समय से सोशल मीडिया पर पसंद किए जाने वाले क्रिकेटर्स में सबसे आगे रहे हैं. इस साल के शुरू में जब वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेल रहे थे, तब उनके फैंस की संख्या ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या से भी ज्यादा थी. इस बात का जिक्र उस समय विराट कोहली का इंटरव्यू लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने किया था.

फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, तीनों पर जबर्दस्त फॉलोइंग

फिलहार विराट कोहली के फेसबुक पर 3.71 करोड़, ट्विटर पर 2.94 करोड़ और इंस्टाग्राम पर 3.35 करोड़ फॉलोअर्स हैं. इन्हीं तीनों को मिलाकर विराट के 100 मिलियन यानि दस करोड़ से ज्यादा फैंस हो गए हैं. विराट भी सोशल मीडिया पर नियमित रूप से सक्रिय रहते हैं. विराट कई बार अपने कुछ ट्वीट्स के कारण ट्रोल भी चुके हैं. एक बार एक ट्रोलर को चमकाने के चक्कर में भी आलोचनाओं का शिकार हो गए थे और उन्हें सफाई तक देनी पड़ी थी. फैंस की उम्मीदों पर खरे ही उतरे हैं विराट कोहली

विराट ने अपने फैंस की उम्मीदों पर ज्यादातर खरा ही उतारा है. वे इस समय दुनिया भर में सबसे सफल कप्तान होने के साथ सबसे सफल बल्लेबाज हैं. इतना ही नहीं वे टेस्ट और वनडे क्रिकेट दोनों में बढ़िया बल्लेबाज माने जाते हैं. उनका रिकॉर्ड शानदार है और ने मैच दर मैच नए आयाम छूते चले जा रहे हैं. विराट की कप्तानी ने ही टीम इंडिया को भी इस बार का विश्व कप का प्रबल दावेदार बना रखा है. आईपीएल में सफल नहीं रहे हैं विराट

विराट कोहली की इतनी सफलताओं के बाद भी वे टी20 में पिछले काफी समय से असफल हो रहे हैं. टीम इंडिया के व्यस्त कार्यक्रम के कारण विराट पिछले कुछ समय से टी20 इंटरनेशनल में खेलते नहीं दिखे हैं. वहीं आईपीएल में भी पिछले दो सालों से वे अपनी टीम को प्लेऑफ तक में पहुंचाने में नाकाम रहे हैं. पिछले इस साल विराट की टीम ने आईपीएल में लगातार पहले छह मैच हारे थे और टूर्नामेंट का समापन आखिरी पायदान पर रह कर किया था.

इंटरनेशनल टी20 में बढ़िया रिकॉर्ड

विराट कोहली ऐसा नहीं कि टी20 प्रारूप में बुरी तरह नाकाम है. बतौर कप्तान वे भले ही असफल हों, लेकिन बतौर बल्लेबाज वे बहुत निराश नहीं करते हैं. इंटरनेशनल मैचों की बात की जाए तो विराट ने पिछले एक साल में विराट ने 10 टी20 मैच खेले हैं इनमें 46.66 के औसत से 280 रन बनाए हैं और इनमें से दो बार फिफ्टी भी लगाई है. इनमें से विराट ने 5 मैचों में जीत और चार में हार का सामना किया है.

वनडे में विराट को सानी नहीं कोई

वहीं विराट का वनडे में इस साल शानदार रिकॉर्ड रहा है. विराट ने इस 19 में से 11 मैचों में जीत हासिल की है. इसमें 73.82 के औसत से उन्होंने 1255 रन बनाए हैं. इसमें छह सेंचुरी और तीन हाफ सेंचुरी शामिल हैं. विराट की बल्लेबाजी में रनों का पीछा करते हुए शानदार रिकॉर्ड है. फिलहाल विराट का ध्यान विश्व कप की तैयारियों पर है.

टीम इंडिया- IPL दोनों में नहीं हैं इरफान पठान, फिर भी बने यह मुकाम पाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस समय क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें 13 दिन बाद शुरू होने जा रहे आईसीसी क्रिकेट वनडे विश्व कप पर हैं. दुनिया भर में क्रिकेट की लोकप्रियता भी टी20 क्रिकेट के आने के बाद से बेहद बढ़ गई है. तकरीबन हर देश नें टी20 लीग शुरू हो चुकी है. इनमें कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) भी वेस्टइंडीज में काफी लोकप्रिय है. वहीं भारत की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ही सबसे बड़ी टी20 लीग माना जाता है. यही वजह है कि भारतीय खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग में नहीं दिखते. लेकिन अब इरफान पठान सीपीएल में खेलकर इतिहास रचने की ओर हैं.

इरफान को मिल सकता है यह मौका

आलराउंडर इरफान पठान गुरुवार को सीपीएल के खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में शामिल होने वाले पहले भारतीय बन गए. इससे वे विदेशी टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय पुरूष खिलाड़ी बन सकते हैं. अभी तक कोई भी भारतीय खिलाड़ी भारत के आईपीएल के अलावा किसी दूसरे देश की टी20 लीग में नहीं खेला है. यह भी सच है कि भारतीय खिलाड़ियों ने भी इन टी20 लीग में खेलने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है.

यह भी पढ़ें- विश्व कप से पहले बांग्लादेश को लग सकता है बड़ा झटका, यह स्टार ऑलराउंडर है चोटिल

बीसीसीआई का यह रवैया रहा है विदेशी लीग को लेकर

यह देखना अभी बाकी है कि बीसीसीआई से उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र मिल पाता है या नहीं. बीसीसीआई का भारतीय क्रिकेटरों की बीबीएल, सीपीएल और बीपीएल जैसे लीग में भागीदारी को लेकर कड़ा रवैया रहा है. इसके अलावा सबसे बड़ा पहलू यह है कि आईपीएल में ही खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा पैसा मिलता है जिसके कारण विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा बनाने के लिए बेकरार रहते हैं. तो फिर इरफान सीपीएल में क्योंसीपीएल 2019 के खिलाड़ियों का ड्राफ्ट गुरुवार को घोषित किया गया जिसमें इरफान एकमात्र भारतीय शामिल हैं. इरफान ने भारत की तरफ से 29 टेस्ट, 120 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. फिलहाल इरफान आईपीएल में किसी भी टीम में शामिल नहीं हैं. उन्होंने रिटायरमेंट की औपचारिक घोषणा तो नहीं की है, लेकिन वे जम्मू कश्मीर के गेंदबाजी कोच हैं और वहां प्रतिभाओं के तराशने का काम उत्साह से कर रहे हैं.

विजय माल्या एक टीम के मालिक हैं सीपीएल में

ऐसा नहीं है कि भारतीयों की सीपीएल में कोई भागीदारी नहीं है. दरअसल भारत से भाग कर ब्रिटेन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या सीपीएल की बारबाडोस ट्रीडेंट्स टीम के मालिक हैं. हालांकि अब उनके इस टीम का मालिकाना हक खोने की नौतब आ गई है.

तेज गेंदबाजों के गढ़ में राशिद के प्रदर्शन ले सकते हैं स्पिनर प्रेरणा

नयी दिल्ली। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इंग्लैंड में अब तक जो चार विश्व कप खेले गये उनमें पूरी तरह से तेज गेंदबाज हावी रहे। इंग्लैंड में पिछले पांच वर्षों में जो 65 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गये उनमें भी तेज गेंदबाजों की तूती बोली है। ऐसे हालात में यह तय है कि 30 मई से शुरू होने वाले विश्व कप में तेज गेंदबाजों का ही दबदबा रहेगा लेकिन स्पिनरों को इससे निराश नहीं होना चाहिए और वे इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद के पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर खुद को प्रतिकूल परिस्थितियों में साबित करने की कोशिश कर सकते हैं। इंग्लैंड में पहले तीन (1975, 1979 और 1983) तथा 1999 में विश्व कप का आयोजन किया गया था। इनमें इंग्लैंड में खेले गये 94 मैचों में विभिन्न टीमों ने 218 तेज या मध्यम गति के गेंदबाजों का उपयोग किया जिसमें उन्होंने 1043 विकेट लिये। इसके विपरीत इतने ही मैचों में 114 स्पिनरों को गेंद सौंपी गयी जिनमें उन्होंने केवल 163 विकेट हासिल किये।

पिछले पांच वर्षों के रिकार्ड पर गौर करें तो इंग्लैंड की धरती पर स्पिनरों की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है।

लूटपाट की शिकार हुई जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान की पत्नी, ट्विटर पर बताई पूरी घटना

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हर देश में सुरक्षा के अपने पैमाने होते हैं. आमतौर पर माना जाता है कि कोई सेलिब्रिटी या उसका परिवार लूटपाट का शिकार हो तो उस क्षेत्र की सुरक्षा पर सवाल उठाना लाजमी है. जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेट कप्तान ब्रेंडन टेलर की पत्नी के साथ जब इस तरह की घटना हुई तब ऐसी ही कुछ प्रतिक्रिया हुई. यह घटना कहीं और नहीं बल्कि राजधानी हरारे में खुद उनके घर के पास हुआ. बुधवार को टेलर ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दुनिया को दी.

लोगों से अपील भी की टेलर ने

टेलर ने ट्विटर पर इस वाक्ये को विस्तार से बताते हुए लोगों से अपील भी करते हुए कहा किस तरह इस वारदात को अंजाम दिया गया. टेलर ने लोगों से अपने लिए कुछ सावधानी बरतने की भी सलाह दी. टेलर ने इस बात पर जोर दिया कि लोग को ऐसी वारदात को अंजाम देने वालों का आसान शिकार होने से बचना चाहिए. वहीं नजदीक के अवोडेल पुलिस स्टेशन ने बी सोशल मीडिया पर लोगों से चौकन्ना रहने की अपील की है.

खुद टेलर ने बताया हुआ क्या था

टेलर ने ट्वीट कर लिखा, मेरे घर के बाहर भयावह हालात थे, मैं रास्ते में अपनी पत्नी के लौटने का इंतजार कर रहा था. तभी दरवाजे के 100 मीटर की दूरी पर मुझे चिल्लाने की आवाज सुनाई दी. मैनें देखा चार हथियारबंद लोग मेरी पत्नी के साथ छीना-झपटी कर रहे थे. मैं फौरन बाहर आकर उस तरफ भागा, वे फौरन रेड होंडा फिट कार में बैठकर भाग गए.'

केवल हैंडबैग का हुआ नुकसान

टेलर ने अपने अगले ट्वीट में कहा, % खुशकिस्मती से मेरी पत्नी का सिर्फ हैंडबैग ही गया, और भी बहुत कुछ हो सकता था. लोग परेशान हो रहे हैं. अपने घर में घुसते समय सतर्क रहें और अंधेरे के बाद सड़कों से दूर रहने की कोशिश करें. ऐसा न होने पर हम उनके आसान शिकार हो जाते हैं.

इस साल विश्व कप नहीं खेल रही है जिम्बाब्वे

33 साल के ब्रैंडन टेलर जिम्बाब्वे के कप्तान रह चुके हैं. 2004 से उन्होंने अपना करियर शुरू किया था और जिम्बाब्वे के लिए 188 वनडे, 27 टेस्ट और 30 टी20 मैच खेले. टेलर ने 16 इंटरनेशनल शतक भी लगाए हैं उन्होंने 2015 में भारत के खिलाफ शतक भी लगाया था. इस विश्व कप में टेलर ने 72.16 की औसत से 433 रन बनाए थे. जिम्बाब्वे की टीम 1983 के बाद पहली बार 2019 में विश्व कप फाइनल्स में जगह बनाने में नाकाम रही.